विद्याभवन बालिका विद्यापीठ लखीसराय

वर्ग -दशम्

विषय -हिंदी

|| अध्ययन- सामग्री ||

मिश्रवाक्य

जिस वाक्य में एक से अधिक उपवाक्य जुड़े हो, परंतु उनमें एक प्रधान उपवाक्य हो तथा दूसरा आश्रित उपवाक्य हो, उसे मिश्रवाक्य कहते हैं।

- मिश्रवाक्य में आश्रित या गौण उपवाक्य प्रधान उपवाक्य पर निर्भर होते हैं।
- मिश्रवाक्य व्यधिकरण योजकों के युग्म-जैसा-वैसा, जो-सो, जिसकी-उसकी, जहाँ-वहाँ, जब-तब, जैसी-वैसी, यदि-तो, - जब तक-तब तक, जिन्हें-उन्हें आदि से जुड़े होते हैं।
- स्वतंत्र उपवाक्य को प्रधान उपवाक्य भी कहा जाता है।

मिश्रवाक्य के कुछ उदाहरण

- माँ ने कहा कि शाम को जल्दी लौट आना।
- जब मैं घर पहुँचा तब वर्षा शुरू हो चुकी थी।
- जैसे ही बादल घिरे वैसे ही बिजली चमकने लगी।
- जब-जब धरती पर अधर्म बढ़ा है, तब-तब ईश्वर धरती पर अवतरित हुए हैं।
- जहाँ-जहाँ सिंचाई की व्यवस्था है, वहाँ-वहाँ फसलें खूब पैदा होती हैं।

ध्यान दें

मिश्र वाक्य में आश्रित उपवाक्य वाक्य के आरंभ, मध्य या अंत में कहीं भी आ सकते हैं, जैसे -

आरंभ में - जो अपने आस-पास सफ़ाई रखते हैं, वे सदा स्वस्थ रहते हैं।
जिस लड़के ने सबसे ज्यादा पौधे लगाए हैं उसे पुरस्कृत किया जाएगा।
मध्य में - वे, जो अपने आस-पास सफ़ाई रखते हैं, सदा स्वस्थ रहते हैं।
वह लड़का, जिसने सबसे ज्यादा पौधे लगाए हैं, पुरस्कृत किया जाएगा।
अंत में - वे सदा स्वस्थ रहते हैं जो अपने आस-पास सफ़ाई रखते हैं।
उस लड़के को पुरस्कृत किया जाएगा जिसने सबसे ज्यादा पौधे लगाए हैं।

प्रधान (मुख्य) उपवाक्य	आश्रित (गौण) उपवाक्य
अध्यापक ने कहा	कि हमें देशभक्त बनना चाहिए।
वह जेबकतरा पकड़ा गया	जिसने बस में जेब काटी थी।
यह वही मंदिर है	जिसे पांडवकालीन माना जाता है।

आश्रित उपवाक्य

आश्रित उपवाक्य आश्रित या गौण उपवाक्यों के तीन भेद होते हैं -

1. संज्ञा उपवाक्य
2. विशेषण उपवाक्य
3. क्रियाविशेषण उपवाक्य

1. संज्ञा उपवाक्य

किसी उपवाक्य में जो आश्रिम उपवाक्य मुख्य उपवाक्य की संज्ञा के स्थान पर आते हैं, उन्हें संज्ञा उपवाक्य कहते हैं; जैसे -

केवट ने कहा कि बिना पाँव धोए आपको नाव पर नहीं चढ़ाऊँगा।
मैं जानता था कि सुमन अवश्य आएगी।
अध्यापक ने कहा कि अपने आसपास सफ़ाई रखो।

इन वाक्यों में प्रयुक्त उपवाक्य 'बिना पाँव धोए आपको नाव पर नहीं चढ़ाऊँगा', 'सुमन अवश्य आएगी', 'अपने आस-पास सफ़ाई रखो' संज्ञा उपवाक्य हैं।

अन्य उदाहरण

- अब छात्र समझ गए हैं कि आठवीं तक उन्हें कोई फेल नहीं कर सकता है।
- माली ने बच्चों को समझाया कि फूल तोड़ना मना है।

- फल वाले ने कहा कि मैं ताजे फल ही बेचता हूँ।

संज्ञा उपवाक्यों की पहचान इनके आरंभ में लगे 'कि' को देखकर पहचान की जा सकती है। ये उपवाक्य 'कि' के द्वारा मुख्य (प्रधान) उपवाक्य से जुड़े होते हैं।

'कि' का प्रयोग उस दशा में नहीं होता-जब संज्ञा उपवाक्य प्रधान उपवाक्य से पहले आ जाए या कभी-कभी 'कि' का लोप कर दिया जाए; जैसे -
तुम मेरी मदद करोगे, मुझे पता था।
वह त्याग पत्र नहीं देता, उसने घर वालों को बता दिया था।
मोहन को पता था, गौरव आने वालों में नहीं है।
मरीज को लगने लगा, अब वह ठीक हो जाएगा।
इन वाक्यों में रंगीन अंश संज्ञा उपवाक्य हैं जिनके पहले 'कि' का लोप है।

2. विशेषण उपवाक्य

विशेषण उपवाक्य मुख्य उपवाक्य में प्रयुक्त संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता बताते हैं, उन्हें विशेषण उपवाक्य कहते हैं; जैसे -
ईश्वर उनकी मदद करता है जो अपनी मदद स्वयं करते हैं।
विपत्ति का सामना वही कर पाते हैं जो धैर्य बनाए रखते हैं।
जो दवाएँ तुमने मुझे कल दी थीं वे नकली हैं।
जिस मरीज का आपरेशन हुआ था, वह अब चलने लगा है।
विशेषण उपवाक्यों की पहचान - विशेषण
उपवाक्य जो, जिसे, जिसने, जिन्होंने, जिस, जिसको आदि 'जो' के विभिन्न रूपों से शुरू होते हैं।

अन्य उदाहरण

- जो फल तुम लाए थे, वे बहुत ही मीठे हैं।
- जिस छात्र ने सबसे अधिक परिश्रम किया था, वही प्रथम आया है।
- जिन्होंने दुखियों की मदद की है उनका नाम अमर हो गया।

उपर्युक्त वाक्यों के रंगीन अंश विशेषण उपवाक्य हैं।

3. क्रियाविशेषण उपवाक्य

प्रधान उपवाक्य की क्रिया की विशेषता बताने वाले आश्रित उपवाक्यों को क्रियाविशेषण उपवाक्य कहते हैं; जैसे -

जब मैं जागता हूँ, तब टहलने जाता हूँ।
जैसे ही अलार्म बजा वैसे ही वह उठ बैठा।
जहाँ साफ़-सफ़ाई होती है वहाँ ईश्वर का वास होता है।
क्रियाविशेषण उपवाक्य के भेद - क्रियाविशेषण उपवाक्य मुख्य उपवाक्य की क्रिया का काल, रीति, स्थान,परिमाण, कार्य का कारण आदि का बोध कराते हैं। इस आधार पर क्रियाविशेषण उपवाक्य के पाँच भेद होते हैं -

मिश्रवाक्य

जिस वाक्य में एक से अधिक उपवाक्य जुड़े हो, परंतु उनमें एक प्रधान उपवाक्य हो तथा दूसरा आश्रित उपवाक्य हो, उसे मिश्रवाक्य कहते हैं।

मिश्रवाक्य में आश्रित या गौण उपवाक्य प्रधान उपवाक्य पर निर्भर होते हैं।

मिश्रवाक्य व्यधिकरण योजकों के युग्म-जैसा-वैसा, जो-सो, जिसकी-उसकी, जहाँ-वहाँ, जब-तब, जैसी-वैसी, यदि-तो, - जब तक-तब तक, जिन्हें-उन्हें आदि से जुड़े होते हैं।

स्वतंत्र उपवाक्य को प्रधान उपवाक्य भी कहा जाता है।

मिश्रवाक्य के कुछ उदाहरण

माँ ने कहा कि शाम को जल्दी लौट आना।

जब मैं घर पहुँचा तब वर्षा शुरू हो चुकी थी।

जैसे ही बादल घिरे वैसे ही बिजली चमकने लगी।

जब-जब धरती पर अधर्म बढ़ा है, तब-तब ईश्वर धरती पर अवतरित हुए हैं।

जहाँ-जहाँ सिंचाई की व्यवस्था है, वहाँ-वहाँ फसलें खूब पैदा होती हैं।

ध्यान दें

मिश्र वाक्य में आश्रित उपवाक्य वाक्य के आरंभ, मध्य या अंत में कहीं भी आ सकते हैं, जैसे -

आरंभ में - जो अपने आस-पास सफ़ाई रखते हैं, वे सदा स्वस्थ रहते हैं।

जिस लड़के ने सबसे ज्यादा पौधे लगाए हैं उसे पुरस्कृत किया जाएगा।

मध्य में - वे, जो अपने आस-पास सफ़ाई रखते हैं, सदा स्वस्थ रहते हैं।

वह लड़का, जिसने सबसे ज्यादा पौधे लगाए हैं, पुरस्कृत किया जाएगा।

अंत में - वे सदा स्वस्थ रहते हैं जो अपने आस-पास सफ़ाई रखते हैं।

उस लड़के को पुरस्कृत किया जाएगा जिसने सबसे ज्यादा पौधे लगाए हैं।

CBSE Class 10 Hindi A व्याकरण वाक्य-भेद 3

आश्रित उपवाक्य

आश्रित उपवाक्य आश्रित या गौण उपवाक्यों के तीन भेद होते हैं -

संज्ञा उपवाक्य

विशेषण उपवाक्य

क्रियाविशेषण उपवाक्य

1. संज्ञा उपवाक्य

किसी उपवाक्य में जो आश्रिम उपवाक्य मुख्य उपवाक्य की संज्ञा के स्थान पर आते हैं, उन्हें संज्ञा उपवाक्य कहते हैं; जैसे -

केवट ने कहा कि बिना पाँव धोए आपको नाव पर नहीं चढ़ाऊँगा।

मैं जानता था कि सुमन अवश्य आएगी।

अध्यापक ने कहा कि अपने आसपास सफ़ाई रखो।

इन वाक्यों में प्रयुक्त उपवाक्य 'बिना पाँव धोए आपको नाव पर नहीं चढ़ाऊँगा', 'सुमन अवश्य आएगी', 'अपने आस-पास सफ़ाई रखो' संज्ञा उपवाक्य हैं।

अन्य उदाहरण

अब छात्र समझ गए हैं कि आठवीं तक उन्हें कोई फेल नहीं कर सकता है।

माली ने बच्चों को समझाया कि फूल तोड़ना मना है।

फल वाले ने कहा कि मैं ताजे फल ही बेचता हूँ।

संज्ञा उपवाक्यों की पहचान इनके आरंभ में लगे 'कि' को देखकर पहचान की जा सकती है। ये उपवाक्य 'कि' के द्वारा मुख्य (प्रधान) उपवाक्य से जुड़े होते हैं।

'कि' का प्रयोग उस दशा में नहीं होता-जब संज्ञा उपवाक्य प्रधान उपवाक्य से पहले आ जाए या कभी-कभी 'कि' का लोप कर दिया जाए; जैसे -

तुम मेरी मदद करोगे, मुझे पता था।

वह त्याग पत्र नहीं देता, उसने घर वालों को बता दिया था।

मोहन को पता था, गौरव आने वालों में नहीं है।

मरीज को लगने लगा, अब वह ठीक हो जाएगा।

इन वाक्यों में रंगीन अंश संज्ञा उपवाक्य हैं जिनके पहले 'कि' का लोप है।

2. विशेषण उपवाक्य

विशेषण उपवाक्य मुख्य उपवाक्य में प्रयुक्त संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता बताते हैं, उन्हें विशेषण उपवाक्य कहते हैं; जैसे -

ईश्वर उनकी मदद करता है जो अपनी मदद स्वयं करते हैं।

विपत्ति का सामना वही कर पाते हैं जो धैर्य बनाए रखते हैं।

जो दवाएँ तुमने मुझे कल दी थीं वे नकली हैं।

जिस मरीज का आपरेशन हुआ था, वह अब चलने लगा है।

विशेषण उपवाक्यों की पहचान - विशेषण उपवाक्य जो, जिसे, जिसने, जिन्होंने, जिस, जिसको आदि 'जो' के विभिन्न रूपों से शुरू होते हैं।

अन्य उदाहरण

जो फल तुम लाए थे, वे बहुत ही मीठे हैं।

जिस छात्र ने सबसे अधिक परिश्रम किया था, वही प्रथम आया है।

जिन्होंने दुखियों की मदद की है उनका नाम अमर हो गया।

उपर्युक्त वाक्यों के रंगीन अंश विशेषण उपवाक्य हैं।

3. क्रियाविशेषण उपवाक्य

प्रधान उपवाक्य की क्रिया की विशेषता बताने वाले आश्रित उपवाक्यों को क्रियाविशेषण उपवाक्य कहते हैं; जैसे -

जब मैं जागता हूँ, तब टहलने जाता हूँ।

जैसे ही अलार्म बजा वैसे ही वह उठ बैठा।

जहाँ साफ़-सफ़ाई होती है वहाँ ईश्वर का वास होता है।

क्रियाविशेषण उपवाक्य के भेद - क्रियाविशेषण उपवाक्य मुख्य उपवाक्य की क्रिया का काल, रीति, स्थान,परिमाण, कार्य का कारण आदि का बोध कराते हैं। इस आधार पर क्रियाविशेषण उपवाक्य के पाँच भेद होते हैं -